भारत सरकार के राष्ट्रीय गोकुल मिशन योजनान्तर्गत तथा उत्तर प्रदेश पशुधन विकास परिषद् लखनऊ द्वारा वित्तपोषित "मल्टीपर्पज आर्टीफिशिअल इन्सेमिनेशन टेक्नीशियन इन रूरल इंडिया" (मैत्री) के 90 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ आज दिनांक 1 अप्रैल 2024 को सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय स्थित पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय के सभागार में आयोजित किया गया । मैत्री प्रशिक्षण के 90 दिवसीय कार्यक्रम में कृत्रिम गर्भाधान को स्वरोजगार के रूप में अपनाने के लिए कुल 39 प्रशिक्षणार्थियों जोकि बिजनौर एवं अमरोहा जनपदों से आये हुए हैं उन्हें प्रशिक्षित किया जायेगा । कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. के के सिंह के मार्गदर्शन में किया गया । माननीय कुलपति डॉ. के के सिंह द्वारा कृत्रिम गर्भाधान को व्यवसाय के रूप में अपनाने के लिए प्रशिक्षणार्थियों को प्रेरित किया गया तथा पशु उत्पादन एवं पशु आधारित अर्थव्यवस्था में पशु प्रजनन की महत्ता का उल्लेख किया गया । पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ राजीव सिंह ने बताया कि यह विश्वविद्यालय के मैत्री प्रशिक्षण कार्यक्रम का नौवां बैच है । अब तक विश्वविद्यालय में मैत्री प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत कुल ३१४ कृत्रिम गर्भधान तकनीशियनों का प्रशिक्षण हो चुका है । कार्यक्रम में अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ डी के सिंह ने पशुधन विकास में कृत्रिम गर्भधान कि महत्ता को बताया । कार्यक्रम में स्वागत भाषण डॉ. विजय सिंह, प्राध्यापक, मादा पशु रोग एवं प्रसूति विज्ञान विभाग ने प्रस्तुत किया तथा कार्यक्रम की विस्तृत रुपरेखा पाठ्यक्रम निदेशक, डॉ मनीष शुक्ला, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, मादा पशु रोग एवं प्रसूति विज्ञान विभाग द्वारा प्रस्तुत की गयी । आभार प्रदर्शन, डॉ. विकास सचान द्वारा किया गया । कार्यक्रम के आयोजन में डॉ राजीव सिंह, डॉ. विजय सिंह, डॉ मनीष शुक्ला, डॉ. विकास सचान, डॉ. आशुतोष त्रिपाठी, डॉ. अतुल कुमार वर्मा, एवं डॉ. अखिल पटेल की प्रमुख भूमिका रही।

01.04.2024

राष्ट्रीय गोकुल मिशन योजना अन्तर्गत
तथा
उत्तर प्रदेश पशुधन विकास परिषद् द्वारा वित्तपोषित

राष्ट्रीय गोकुल मिशन योजना अन्तर्गत
तथा
उत्तर प्रदेश पशुधन विकास परिषद् द्वारा वित्तपोषित
Multipurpose Artificial Insemination Technician in Rural India (MAITRI)
प्रशिक्षण कार्यक्रम
01 अप्रैल 2024 से 29 जून 2024
आयोजक - पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय
GLOBUS

DEPARTMENT OF
VETERINARY CLINICAL
COMPLEX